डॉ. भीमराव अम्बेडकर पॉलिटेक्निक महाविद्यालय ग्वालियर

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग -ई - न्यूज लेटर

TECHNOVISION

JULY-2021

www.polygwalior.ac.in

prinbrap.gwl@mp.gov.in

Gwalior-474009 Madhya Pradesh India

Principal's Message

I am very happy to know that e magazine of Information Technology department is being published. In this magazine view of the student have been presented in Holistic manner and student will be able to understand each other's views and perspective, this magazine can encourage students to think and write. I hope this magazine records the achievements and various activities performed at department level. I personally congratulate all the student and faculty associated with the magazine for commendable efforts and wish everyone a bright future.

Mr. Shashi Viksit
Principal,
Dr. B.R. Ambedkar Polytechnic
Gwalior
(+91)9301101447
shashivikasit@gmail.com

Head of Department Message

बड़े हर्ष का विषय है कि संस्था के आई टी विभाग द्वारा विभागीय पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। मुझे बताया गया है कि प्रतिवर्ष पत्रिका के 4 अंक प्रकाशित किये जावेंगें। पत्रिका के माध्यम से शिक्षकों एवं छात्रों को अद्यतन जानकारी को साझा करने का का अवसर प्राप्त होगा। छात्र अपनी अभिरुचियों को बेहतर ढंग से विकसित एवं प्रदर्शित कर सकेंगे। पत्रिका में छात्रों की रचनाओं प्रोजेक्ट्स उपलब्धियों का समावेश किया जा सकेगा। उपरोक्त गतिविधियां छात्रों के उत्तम नागरिक बनाने की दिशा में मददगार होगी। छात्रों से अनुरोध है कि वे अपनी रचनाएं और उपलब्धियों से टीम को यथाशीघ्र उपलब्ध कराते रहें तथा सुधार हेतु सुझाव भी भेजें। पत्रिका की टीम को बहुत-बहुत शुभकामनाएं एवं बधाई।

Mr. Dharmendra Mittal

HOD (IT), Dr. B.R. Ambedkar
Polytechnic Gwalior
(+91)9827213996 dmittalsvp@
polygwalior.ac.in

Editor & Coordinator Message

I am very pleased to be the part of an inspiring journey to publish our department magazine, this is the first volume of “Techovision”. Magazine reflects the literary, educational and sports activities going on in the college and also projects the important events celebrated in the college during a certain month or year. Moreover, it also contains news about the department and college. The magazine prepares students for their future. It gives them training in concentration of thoughts and ideas and in discipline. It can educate and prepare students for their different roles in society which they will certainly play in the near future. Students can benefit a lot by the friendly guidance of a college magazine. The young writers and poets get an excellent opportunity for displaying their talent. essays, short stories, poems, informative articles are written by students and are published in the magazine. This cultivates a find literary taste among the students. Thanks to students, Editing Team, HoD (IT) and Principal sir for cooperation.

Ms. Geetu Dhawan

Lecturer Information Technology
Dr.B.R.Ambedkar Polytechnic Gwalior

Students Editors

Vinay Rajak
Branch IT

Vipul Pancholi
Branch IT

Saurabh Narwariya
Branch IT

Gaurav vyas
Branch IT

Anjali coursiya
Branch IT

Contents

❖ Future of World AI	-	1
❖ मेरी माँ के लिए कुछ पंक्तियाँ	-	2
❖ प्रकृति के नज़ारे	-	3
❖ इतिहास और प्रकृति	-	4
❖ भारतीय सेना को श्रद्धांजलि	-	5
❖ शिक्षा को नमन	-	5
❖ जल ही जीवन है	-	6
❖ ब्लॉकचेन डेटा	-	7
❖ 3D printing technology	-	8
❖ Corona Virus Essay	-	9
❖ Article on Environment Day	-	10
❖ Final Year Projects-2021	-	11

Future of World AI

हम जानते हैं कि A I का मतलब कृत्रिम बुद्धि है| वह खुद सोचने और समझने मे सक्षम है| A I कई मायनों मे अपने आप को साबित किया है समय के अनुसार मशीने तेजी से सक्षम हो रही है इंटेलिजेंट की आवश्कता वाले कार्यो को अक्सर A I की परिभाषा से हटा दिया जाता है| जिसे यही प्रभाव के रूप मे माना जाता है| आधुनिक मशीन क्षमता आमतौर पर स्याही रूप मे वर्गीकृत किया जाता है जिससे मानव के द्वारा बोले जाने वाली भाषाओं को समझना रणनीति खेल सिस्टम जेसे (शतरंज, लूडो, पब्जी, आदि है) कृत्रिम बुद्धि या ए.आई आज के समय पर मानव चेहरे और उनकी आओ भावों को देख कर यह समझ कर पहचानने मे सक्षम है| और चीजों को पहचानने मे भी सक्षम एक कृत्रिम बुद्धि या ए. आई को हम टेलीविज़न या फ़िल्मों के माध्यम से समझ सकते हैं! कि वह कितनी अत्याधुनिक हो सकती है (जैसें आयरन मैन में दिखनें वाला जारबेस नामक कृत्रिम बुद्धि A I दिखाया गया है) कंप्युटर प्रयोग की सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और संचालन अनुसार अनुसंधान में समस्याओं को हल करने के लिए कृत्रिम बुद्धि का उपयोग किया जाता है|

वर्तमान काल मे कृत्रिम बुद्धि A I का महत्व :-

जैसा कि हम जानते हैं कि A I का कार्य दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है मनुष्य धीरे - धीरे करके कृत्रिम बुद्धि बन रहा है या A I पर निर्भर हो रहा है! विश्व के सभी बड़े छोटे एवं अत्याधुनिक कार्यों मे ए. आई का प्रयोग होता है! जैसे (इंड्स्ट्रियल रोबोटिक सिस्टम) I. R. S. जैसेः महान को बनाने वाले कारखाने में प्रयोग किए जाने वाले रोबोट हाला की अब कई देशों की राष्टीय सरकार ए. आई को प्रयोग में ला रहीं है\ (सिक्योरिटी सर्विलेंस सिस्टम) धोखाधड़ी के लाभों की पहचान करने में किया जाता है अपराध की भविष्य वाणी करना, स्थित पुलिस सिफारिश करने में प्रयोग किया जाता है! सेना मे भी कृत्रिम बुद्धि ए. आई का प्रयोग होने लगा है, ऑटो मेशन मिलिट्री ड्रोन को मानवरहित लड़ाकू विमान (यूसी एबी) के रूप में हम जानते है एक कई तरह के मिसाइलें राकेट सिस्टम बम का निकर्षण के प्रयोग मे किया जाता है|

निजीकृत शिक्षा:-

(मशीन लर्निंग एल्गोरिथम) एम. एल. ए. का प्रयोग छात्रों की शिक्षा की प्रगति का विश्लेषण एनालाइज किया जाता है, परीक्षा पत्र को जाँचने में ए. आई का प्रयोग किया जाता था कि उनके लेखन पर तत्काल प्रतिक्रिया प्राप्त की जा सके एम. एल. ए. कृत्रिम बुद्धि या A I की वज़ह से जंगलों को सुखापन पहचान कर आग लगा देते है स्वास्थ्य संबंधित कार्य मे विज्ञान का प्रयोग सभी अत्याधुनिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं अनुसंधान केन्द्र मे किया जाता है बीमारी फैलने से रोकने के लिए दो प्रकार के A I का प्रयोग किया जाता है| (मशीन लर्निंग एल्गोरिथम्स) जो कई इलाकों से एक जैसा डाटा को समान लाक्षणों वाले रोगियों को क्रॉस चेक करता है| उनकी चेतावनी देता है और रोगियों को त्रिकोणीय ट्रेकिंग पेशेंट करना आपातकालीन सेवा मे अस्पतालों के अंदर जरूरत अनुसार मरीजों को बांट दिया जाता है| जिससे उनका आपातकालीन के समय पर उनके स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जा सके|

जनसंपर्क :-

A I का प्रयोग आमतौर पर किया जाता है जिससे चैट वोट का प्रयोग अधिकतम रूप से किया जाता है सरकार एवं निजी कंपनियां निर्धारक बैठकों मे पूछे जाने वाले सावल उपयुक्त क्षेत्र के लिए अनुरोध का निर्देशन फार्म भरना भर्ती मे मदद करना दस्तावेजों की खोज मे सहायता आदि से किया जाता है|

भविष्य में ए. आई के कार्य एवं परिणाम :-

भविष्य में ए. आई के द्वारा कई कार्य इस समय किए जाते है जो कि भविष्य में बहुत आधिक हो जाएंगे ऐसा माना जाता है कि विश्व के 50% कार्य को ए. आई द्वारा संचालित किया जाएगा| जैसे कि आज के समय पर टेस्ला मोटर बाइक साइकिल को A I द्वारा संचालित किया जाता है जिस तरह टेस्ला वाहन मानव रहित कार्य करने मे निपुण है| इससे ऐसा प्रतीत होता है कि आज के समय में जो कार्य इंसानो द्वारा किए जाते है उनकी भविष्य मे लर्निंग मशीन एल्गोरिदम के द्वारा होने लगेंगे इस दुर्घटना की वृद्धि में रोकथाम होने लगेगा पर ऐसी मशीनों से बेरोजगारी में वृद्धि होने लगेगी|

हिमांशी मांझी - चतुर्थ सेमेस्टर - IT

“ मेरी माँ के लिए कुछ पंक्तियाँ ”

मुझे याद है आज भी, कैसे बचपन मैं उंगली पकड़ के चलना सिखया था उन्होने .....

भगते भगते कभी गिर जया करते, तो उठाना सिखया था उन्होने...

घर मैं सबसे पहले उठा कर वो हर काम करता है आज भी....

सब की हर बात को सुन कर भी वो खामोश रहती है आज भी....

मेरे चेहरे पर टेंशन भी आ जाए तो मेरे बिना बोले भी पहचान लेते हैं वो आज भी.....

कभी कभी मैं कितना भी डाट लू, सुना लू फिर भी ना जाने क्यों डाटने की बजा, मुशकुरा कर प्यार से हाथ फेर देता है वो आज भी...

बहुत प्यार करता है वो मुझे इसीलिए दो रोटी मांगू तो चार रख देती है। 100 रुपये की मंगू से 200 रुपये देती है और कहती है और चाहिए क्या। वो पुछती है आज भी....

पर कोई ना, माँ तो माँ होती है उसके जैसा कोई नहीं....

बचपन से लेकर आखिरी सांस तक, मां हमारे लिए क्या- क्या नहीं करती कितने सारे समझोते करती है , रातों की नींद ना जाने क्या करती है वो.....

और ये समझते समझते हमारी पूरी जिंदगी निकल जाती है फिर भी नहीं समझ पाए हम उनको .....

हडिड्यो के टूटने जितना दर्द झेल कर हमे पैदा करना......

इस प्यारी सी नई रंगीन दुनिया में हमे लाना...

रात रात जाग कर हम चेन से सुलाना.... लोरी सुनाना या हमारे सोने तक जगना....

हमारे भुक लगने से पहले ही हमारे लिए स्वदेशी खाना तयार करना या हमारे लाख नखरे करने पर भी, प्यार से अपने हाथ से खिलाना...

घर के हर एक सदस्य की जिम्मेदारी को पूरी दिल-ओ-जान से निभाना....ना जाने कैसी कैसी मुश्किल घड़ी का सामना किया लेकिन, कभी भी अपने बच्चों पर आंच तक ना आने दी....

जब बिन मांगे मिल जाता था तो उनके खाने में नुक्स निकलते थे, नकारे करते थे ..... आज जब कभी भी घर से दूर जाना होता है। तो मांगने पर भी नहीं मिलता तो याद आती है उस ना पसंद खाने की, जो नखरे करके खाया करते थे ...

ऐसे कितने ही होटल्स में खाना खा के देखा लिया, मां के हाथ के जैसे खाने का कोई जवाब नहीं...

मुझे याद है आज भी जब मुझे दिमागी बुखार हुआ था या मैं बेहोश हो गई थी घर पर किसी के ना होने पर भी मुझे अस्पताल ले गई और मुझे एक बार फिर दुसरी जिंदगी दी...

आए दिन हर कोई ना कोई, किसी भी बात पर हम से नाराज़ रहा लेता है। बस एक माँ ही है जो कभी हमसे ना रूटी और ना नाराज़ होती...

कभी घर से निकल भी जाए तो उनकी दुआ कभी पीचा नहीं छोडती और हमेशा हमारी ढाल बनकर हमारे साथ रहती है......

पापा की डांट से कई बार बचाया है उन्होनें, हम कभी घर देर से आते तो हमारे बदले की डांट खुद सुन लेती हैं लेकिन हमें पता भी नहीं लगाने देती....

खुद को कुछ भी हो जाए कोई गम नहीं, लेकिन हमें कभी कुछ नहीं होने देती... दुनिया से चाहे जितना भी लड़ झगड़ ले, सिर्फ उनकी गोद में सर रख लो, तो मनो सारी टेंशन ही निकल जाती है.. ..

उनकी इज़्ज़त जितनी करो कम ही है उन्हे प्यार जीता भी दो कम ही है। उसके बावजुद भी कई बार उनकी इज्जत करने में कहीं न कहीं चुक ही जाते हैं। या उनके बद्ध होते होते उनको बोझ समझते लगते हैं कुछ लोग आज भी......

अगर है तुम्हारी जिंदगी में मां आज भी तो उसके पास दो वक्त बैठ के आपनी मोबाइली और काम बड़ी दुनिया से बहार आके उनसे बात कर लिया करो। माँ को अच्छा लगेगा...

माँ कई नहीं होती, माँ एक ही होती है और एक ही बार मिलती है.....

जिसके पास नहीं होती उनसे पुछो असली दर्द मां न होने का ......

मैं जायदा जानती नहीं की कितना प्यार करता हूं उन्हें, लेकिन करती बहुत हुँ.......

अंजलि चौरसिया - चतुर्थ सेमेस्टर-**IT**

प्रकृति के नज़ारे

विशाल यादव - चतुर्थ सेमेस्टर - IT

इतिहास और प्रकृति

गौरव व्यास - चतुर्थ सेमेस्टर - IT

भारतीय सेना को श्रद्धांजलि

हम भारत वाशी है| कौन काला कौन गोरा है
कौन हिंदू कौन मुसलमान है|
बहुत आए और बहुत गए| इस भारत का अस्तित्व
न मिटा है| न मिटेगा | भारत वाशी न कभी झुके हैं
ना कभी झुकेंगे| लहू बहने से न डरे हैं
ना कभी डरेंगे| भारत की रक्षा हम करेंगे
हम भारत वाशी है और रहेंगे|

जय हिन्द जय भारत

हिमांशी मांझी - चतुर्थ सेमेस्टर - IT

शिक्षा को नमन

गिरते हुआ को साम्भाल ले वो है शिक्षा,
गरीब को अमीर बना दे वो है शिक्षा|

हर ख़्वाब पूरा कर दे वो है शिक्षा,
इंसान का नसीब बदला दे वो है शिक्षा|

सच की राह पर चलना शिखा दे वो है शिक्षा,
छोटे को बड़ा बना दे वो है शिक्षा|

शिक्षा का महत्व उनसे पुछो जिन्होने देखी भी नहीं है शिक्षा,
या जिनको मालुम ही नहीं है, है क्या शिक्षा|

तू रुक मत तू डर मत तू चलता जा,
शिक्षा की राह पर शिक्षा ही असली जादू है|

आओ शिक्षा का महत्व समझे हम,
आओ पूरे समाज को शिक्षित करे हम ||

विनय रजक - छठा सेमेस्टर - IT

"जल ही जीवन है"

धर्मेंद्र कोली - छठा सेमेस्टर - IT

ब्लॉकचेन डेटा

ब्लॉकचेन का आविष्कार एक व्यक्ति (या लोगों के समूह) द्वारा 2008 में सातोशी नाकामोतो नाम का उपयोग करके क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन के सार्वजनिक लेनदेन खाता बही के रूप में किया गया था। क्रिप्टो करेंसी 2017 और 2018 में एक सर्वकालिक उच्च स्तर पर हो सकती है लेकिन तथ्य यह है कि यह कुछ ऐसा है जो अभी तक एक महत्वपूर्ण मात्रा में विकास को देखने के लिए नहीं है। ब्लॉकचेन तकनीक अब केवल लोकप्रियता में बढ़ने लगी है और दुनिया भर के उद्योगों द्वारा इसे सभी के लिए लागू किया जा रहा है। बिटकॉइन के लिए ब्लॉकचेन के आविष्कार ने इसे एक विश्वसनीय प्राधिकरण या केंद्रीय सर्वर की आवश्यकता के बिना दोहरे खर्च की समस्या को हल करने वाली पहली डिजिटल मुद्रा बना दिया। बिटकॉइन डिज़ाइन ने अन्य अनुप्रयोगों और ब्लॉकचेन को प्रेरित किया है जो जनता द्वारा पठनीय हैं और व्यापक रूप से क्रिप्टोकरेंसी द्वारा उपयोग किए जाते हैं एक ब्लॉकचेन रिकॉर्ड की बढ़ती सूची है जिसे ब्लॉक कहा जाता है जो क्रिप्टोग्राफी का उपयोग करके एक साथ जुड़े हुए हैं। प्रत्येक ब्लॉक में पिछले ब्लॉक का एक क्रिप्टोग्राफिक हैश एक टाइमस्टैम्प और लेनदेन डेटा होता है (आमतौर पर एक मर्कल ट्री के रूप में दर्शाया जाता है)। टाइमस्टैम्प साबित करता है कि लेन-देन डेटा तब मौजूद था जब ब्लॉक को उसके हैश में लाने के लिए प्रकाशित किया गया था। ब्लॉक एक श्रृंखला बनाते हैं प्रत्येक अतिरिक्त ब्लॉक इसके पहले वाले को मजबूत करता है। इसलिए ब्लॉकचेन अपने डेटा के संशोधन के लिए प्रतिरोधी हैं क्योंकि एक बार रिकॉर्ड किए जाने के बाद किसी भी ब्लॉक में डेटा को बाद के सभी ब्लॉकों को बदले बिना पूर्वव्यापी रूप से बदला नहीं जा सकता है।

<u>लाभ-</u>

- ब्लॉकचेन धोखाधड़ी और अनधिकृत गतिविधि को रोकने में मदद करता है

- अनुमति प्राप्त पहुंच वाले सभी नेटवर्क प्रतिभागियों को एक ही समय में एक ही जानकारी दिखाई देती है जो पूर्ण पारदर्शिता प्रदान करती है। सभी लेन-देन अपरिवर्तनीय रूप से रिकॉर्ड किए जाते हैं और समय- और दिनांक-मुद्रांकित होते हैं। यह सदस्यों को लेन-देन के पूरे इतिहास को देखने में सक्षम बनाता है और धोखाधड़ी के किसी भी अवसर को लगभग समाप्त कर देता है।

We all know very well we are living in the era of science. There are many advanced technologies which are working around us.so out of these technologies an emerging technology 3D printing technology is used at World level. So today we are discussing this technology. Friends this technology is not new it is very old but we are not able to represent this technology at that time in front of the world but now we are able to master that technology.

3-D printing technology is a form of additive manufacturing technology where a three dimensional object is created by laying down the successive layers of material.

We achieved 3D printing by using an additive process, where successive layers of material are laid down in different shapes.

Friends, now we are discussing the history of this technology. The technology for printing physical 3d objects from digital data was first developed by Charles hull in 1984. He named the technique as stereo lithography. The first ever 3d printed object was an eye wash cup. In March 1983, an American scientist named chuck hull invented and patented the first 3d printer and subsequently created a 3d printed eye washing cup. By the end of 1980's other similar technology such as fused deposition modelling (FDM) and selective laser sintering (SLS) were introduced.

There are some types of 3-D printing technology-

(i) Stereo lithography (SLA)

(ii) Selective laser sintering (SLS)

(iii) Fused deposition modelling (FDM)

(iv) Digital light process (DLP)

(v) Electron beam melting (EBM)

Now, we are discussing some disadvantages of 3-d printing technology. Materials such as wood, cloth, paper and rocks cannot be 3-d printed because they would burn before they can be melted and extruded through a nozzle, reduction in manufacturing jobs.

Advantages of 3- d printing are advanced health care, environmentally friendly, cost effective, fast design and production etc.

Achievements

Friends, a few days ago, a deep tech start up founded by three alumni of IIT madras in 2016, has created history by constructing India's first 3-d printed house.

Corona Virus Essay

Introduction-: Corona virus disease (COVID19) is infection disease caused by a newly discovered Corona virus. The word covid-19given by world health organization and it stands for corona virus disease 2019. It started in Wuhan, China in late 2019 and has since spread world wind. It is caused by severe by server acute respiratory syndrome corona virus2 (SARS_COD_2).the very fast case of covid19 in India, which originated from china was reported on 30june 2020 .India currently has the largest number of confirmed case in Asia. As 23may 2021, India has the second highest number of confirmed case in the world after US with26.7 Million reported case by covid-19 infection and the 3rd highest number of covid-19 deaths after the united states and Brazil at 307,231 deaths.

Symptoms of covid-19-: Covid-19 affects different people in different ways. Most infected people will develop mild to the moderate illness and recover without hospitalization.

Most common symptoms -: Fever, Dry Cough, Tiredness.
Less common symptoms -: Aches & pains, Sort throat, Diarrhoea, headache, Loss of taste or small.

Here are some of the steps that India has taken against the spread of the virus-:

Travel Ban-: India has sealed itself. As of 13 March 2020, it has suspended all visas for foreigners traveling to the country for an entire month till 15 April 2020. However, people holding diplomatic, official, UN/International Organisations employment and project visas however will be exempted for this ban.

Quarantine Upon Arrival-: Besides the travel ban, India has also issued a statement informing travellers of a possible quarantine upon their arrival in India. All incoming travellers, including Indian nationals, arriving from or having visited China, Italy, Iran, Republic of Korea, France, Spain and Germany after 15 February, 2020 shall be quarantined for a minimum period of 14 days.
This will come into effect from 1200 GMT, 13 March 2020 at the port of departure. Incoming travellers from other countries may also be quarantined based on symptoms of Covid-19.

Epidemic' Declared by Few States-: An epidemic is a widespread occurrence of an infectious disease in a community at a particular time. Given Covid-19 has no vaccine or cure as of now, it is imperative that India take all steps to contain its spread. By declaring it an epidemic, the states now have authority to take strong measures to prevent its spread.
Schools and colleges have been closed, hostels vacated, malls and movie theatres shut, conferences and events deferred.

Problem & impact of covid-19 -: There are many problems which arises due to covid-19 the first and very big problem arise due to covid-19 is Economical problem. It creates social and economic. Problem lost their jobs because organizations are shutter down. Inflation is increasing day by day. We all know very well about the rates of like an animal during this pandemic, education system is totally disturbed. Medicines are not available if they available so these prices are high because of black marketing we all know very well about the prices of Remdesivir Injection. which is also useful in Covid-19 treatment people are frustrated for their livelihood.

Conclusion -: Corona Virus is one of the Server issues that are being faced by the people around the world. It is necessary the we come out of this situation as soon as possible.
Together we all can bring an end to this pandemic.

Saurabh Narwariya – Fourth Sem - **IT**

Article on Environment Day

- World Environment Day celebrated on June 5th around the world helps spread awareness about protecting and taking care of our environment and was an initiative started by the United Nations. World Environment Day is a weeklong celebration where everyone participates. It is celebrated with big fairs where people make posters, banners, art out of recycled materials, and they perform skits—many people even plant saplings. World Environment Day is to promote a greener future. Everyone takes part in the festivities and spread awareness on how to prevent pollution.

- The first World Environment Day was in 1974, which was hosted by Spokane, USA. The slogan for the first one was 'Only One Earth.' Every year the theme and slogan for World Environment Day are different. Some of the topics include biodiversity, water, and air pollution. The theme was to prevent air pollution, and the fair was held in China. 2020's host is Columbia, along with Germany. The theme is biodiversity due to the recent bush fires and COVID-19. It is an important day to celebrate as the Earth is not just our home but home to many living species. We need to ensure that future generations have a clean environment to live in.

- World Environment Day is celebrated as a way to raise awareness about things that affect the world and the environment. I feel this is an important thing to do as it provides a chance for us to show what kinds of things we can do as individuals to protect our environment, and I also think that every day should be Earth Day. However, it is also good to stop and think about the things we can do for our planet this one day. If everyone focuses at once, maybe some people will change their ways that don't usually think about the environment.

- The state of our environment is falling day by day due to pollution and global warming. We must celebrate environment-friendly development to save the environment for a better future in our country, Workshops (about sustainable project management) are also held to encourage youth about environmental and climate change issues for a secure future on Earth. An environmental fair in 2009 in Chennai and Bangalore with activities such as spot painting competition, e-waste management, and training programs for students for renewable energy devices, wildlife conservation, rainwater harvesting systems, waste recycling, and reuse processes. To honour this day, every year debate on rising global warming, biodegradable waste, awareness campaigns about the "go green" revolution, eco-friendly infrastructure, and energy efficiency to curb global warming and save natural resources are organized.

Aryaman – Fourth Sem - **IT**

Driver Drowsiness Detection:-

सारांश: - ड्राइवर ड्रॉउजीनेस डिटेक्शन सिस्टम एक ऐसी सेफ्टी तकनीक है जिसकी मदद से हम सड़क दुर्घना को रोक सकते हैं।

कार्यविधि: - इस प्रोजेक्ट में हमने इमेज प्रोसेसिंग व डीप लर्निंग का उपयोग किया है । इमेज प्रोसेसिंग का उपयोग करके हम व्यक्ति की आँखों का पता लगा सकते हैं। डीप लर्निंग ह्युमन् न्यूरॉन्स पर आधारित होती है जिसका उपयोग करके मॉडल बनाया गया है जो मनुष्य की आँखों को देखकर पहचान सकता है कि आंखे खुली है या बंद।

उपयोग:- इस सिस्टम का उपयोग हम कार , बस , ट्रक आदि वाहनों में कर सकते हैं । यह वाहन में बैठे व्यक्ति की आँखों को स्कैन करके पता लगा सकता है कि आंखे बंद है या खुली और अगर व्यक्ति अधिक समय तक आंखे बंद रखता है तो सिस्टम में शामिल स्पीकर अलर्ट की आवाज़ देकर व्यक्ति को सचेत कर देगा जिससे दुर्घटना होने से बचा जा सकता है।

प्रोजेक्ट टीम:- स्वाति मौर्य , अभिषेक यादव, विकास रावत |

Smart Parking with Arduino: -

सारांश:- इस टेक्नोलॉजी का उपयोग करके हम पार्किंग की समस्या तथा पोल्लुशण की समस्या को भी कम कर सकते है

कार्यविधि:- हमने इस प्रोजेक्ट में आई आर सेंसर उपयोग करे है जो की वाहन को एंट्री करते टाइम डिटेक्ट करेगा और एग्जिट करते में डिटेक्ट करेगा और इसमें हमने आर्डिनो का प्रोयग करा है जो की सिस्टम को नियंत्रण करता डिस्प्ले पर शो करेगा की पार्किंग में कीतनी जगह खाली है और कितनी भरी है इससे ड्राइवर का टाइम भी बचेगा और लोगों जमा भीड़ से बचेंगे ये रियल टाइम सिस्टम है

उपयोग:- छोटे स्तर पर शॉपिंग मॉल मे स्कूल्ज मै कॉलेज में आफिस मे इसका उपयोग किआ जा सकता है ये जिस जगह पर पार्किंग की परेशानी होती वह हम इस प्रोजेक्ट को इनस्टॉल कर पर्किंग की परेशानी से निजात पा सकते और अपना समय भी बचा सकते है

प्रोजेक्ट टीम:- विपुल पंचोली , आकाश गौर , सोनिया सिंह |

Automatic Irrigation System using Soil Moisture Sensor:-

सारांश:- स्मार्ट सिंचाई सिस्टम का उपयोग करके किसान एवम् मानव पानी का उपयोग सही तरीके से करसकते है और पानी जो वेस्त होता है उसे बचाया जा सकता है| स्मार्ट सिंचाई सिस्टम में मिट्टी के लिए तैयारी करने तक, सेंसर और वायरले ससंचार तकनी कों की एक श्रृंखला स्मार्टसिंचाई की सुविधा से फार्मिंग और कृषि को और बेहतर किया जा सकता है|

कार्यविधि:- इसका उपयोग बड़ी ही सरलता रूपसे किया जाता है साइलमॉइस्चर सेंसर को मिट्टी के अंदर लगाया जाता है एवं डीएसटी सेंसर हवा में टेंपरेचर और ह्यूमिडिटी को नापता है और पानी की मोटर को हम बैटरी के द्वारा चला सकते है इस पूरे प्रोजेक्ट को हम अपने मोबाइल को देख सकते हैं. एवम् मोबाइल से मोटर को चला भी सकते है|

उपयोग:- इसका उपयोग कृषि और फार्मिंग को स्मार्ट और टेक्नोलोजी प्रदान करना है| एवम् यहां, कि घरेलू उपयोग जैसे कि स्कूल के मैदानों, सरकारी पार्कों इत्यादि किया जा सकता है|

प्रोजेक्ट टीम:- अभय कुस्तवार, शांतनु बाजपाई, दीपक आर्य |

Face Mask Detection Software Using Deep Learning:-

सारांश: - इस टेक्नोलॉजी का उपयोग करके कोरोना जैसे वायरस का मास्क लगा कर फेलना रोका जा सकता है

कार्यविधि:- इस सॉफ्टवेयर में ए आई तथा मशीन लर्निंग का उपयोग किआ गया है जिस तरह मनुष्य के दिमाग मै न्यूरॉन होते है उसी तरह इसमें भी न्यूरॉन का उपयोग कर के मॉडल बनाया है जो की मनुष्य के फेस को देख कर पर पहचान सकता है कि मास्क फेस पर है या नहीं

उपयोग:- छोटे स्तर पर शॉपिंग मॉल मे स्कूल्ज मै कॉलेज में आफिस मे इसका उपयोग किआ जा सकता है ये बिना मास्क के आये हुए व्यक्ति के फेस को स्कैन करके पता लगा सकता है की उसने मास्क पहना है या नहीं और अगर उस व्यक्ति मास्क नहीं पहना है तो अलार्म बजेगा इसके साथ ही इसमें ईमेल ऑप्शन भी है जो की हमारे ईमेल पर बिना मास्क के आये हुए व्यक्ति का फोटो भेज देगा इस सॉफ्टवेर को आप हमारी दी हुई लिंक से डाउनलोड करके फ्री में उपयोग कर सकते है

प्रोजेक्ट टीम:- विनय रजक, धर्मेंद्र कोली, अभिषेक साह |